संपादकीय

मौत का सफर

हिमाचल में कुल्लू के निकट बंजार में हुए भयानक हादसे में 44 यात्रियों की मौत लापरवाही व प्रशासन की कोताही की ओर इशारा करती है। आखिरकार उन बेगुनाहों की मौत की जवाबदेही तो तय करनी ही होगी, जिनके लिये बस में चढ़ना मौत का सफर बन गया। नौसिखिये ड्राइवर के हाथों में सत्तर लोगों की जिंदगी सौंपने की जिम्मेदारी तो किसी को लेनी ही होगी। एक खटारा बस, जिसमें सत्तर यात्री ठूंस-ठूंस कर भरे गये थे, फिर बस पर नियंत्रण कैसे रह पाता। यहां तक कि यात्री बस की छत पर भी सवार थे। बताया जाता है कि बस भी खटारा थी और अक्सर खराब हो जाती थी। वे अधिकारी जिम्मेदारी से कैसे बच सकते हैं, जिन्होंने बस की फिटनेस का सर्टीफिकेट दिया। उस ड्राइवर का अपराध भी कम नहीं जो बस को लुढ़कता देख खिड़की से कूद गया। बताया जाता है कि जिस बयोठ मोड़ पर हादसा हुआ, वह खतरनाक किस्म का था। लापरवाही इस बात की भी बतायी जा रही है कि खतरनाक मोड़ पर गेयर नहीं बदला गया और बस पीछे लुढ़कने लगी। प्रशासन व सड़क की देखरेख करने वाले विभागों की लापरवाही यह है कि ब्लैक स्पॉट घोषित मोड़ पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम नहीं थे। यदि इस जगह पर पैरापिट तथा क्रैश बैरियर लगे होते तो संभवतः लुढ़कती बस रुक सकती थी। पांच सौ फीट गहरी खाई में गिरने से बस के परखच्चे उड़ गये। ऐसी स्थिति में जटिल पहाड़ी इलाके में बचाव व राहत की स्थिति और भी गंभीर हो जाती, यदि आसपास के ग्रामीण देवदूत बनकर नहीं आते। बताया जाता है कि यह स्कूल-कालेजों की छुट्टी का वक्त था। इस इलाके में बस सेवा पर्याप्त न होना भी बस के ओवरलोड होने की वजह थी। जाहिर है परिवहन विभाग पर्याप्त बस सेवा देने में चूका है। ऐसे में यात्रियों के दबाव से बस नियंत्रित नहीं रह पायी।

यह दुर्घटना ऐसे समय में हुई है जब पिछले दिनों भारी वाहनों के चालकों के लिये आठवीं पास की अहर्ता खत्म करने का फैसला लिया गया। निःसंदेह शिक्षा हममें वह विवेक जगाती है जो तकनीकी खराबी और विषम स्थिति में बचाव की राह दिखाता है। हिमाचल की सर्पीली सड़कों में हुए हादसों के बारे में रिपोर्ट है कि 93 फीसदी दुर्घटनाएं मानवीय लापरवाही से होती हैं वहीं सात फीसदी दुर्घटनाएं मशीनरी की खराबी के कारण होती हैं। जाहिर है अधिकांश दुर्घटनाएं मानवीय चूक का नतीजा हैं। वर्ष? 2018 में राज्य में सवा तीन हजार के करीब सड़क दुर्घटनाएं घटीं, जिसमें 1403 लोगों की जान गयी और छह हजार यात्री घायल हुए। इन दुर्घटनाओं में 40 फीसदी दुर्घटनाएं कमर्शियल वाहनों की हुई। वहीं बारह फीसदी कार व दो फीसदी दोपहिया वाहनों की हुई। अप्रैल 2018 में नूरपुर स्कूली बस हादसे में 26 बच्चों की मौत हुई थी। तब जांच हुई और नये नियम लागू हुए मगर परिणाम वही ढाक के तीन पात। फिर अगली दुर्घटना तक सब ठंडे बस्ते में चला जाता है। दरअसल,पहाड़ी इलाकों में होने वाली दुर्घटनाओं के मूल में लापरवाही से वाहन चलाना, तेज रफ्तार, शराब पीकर वाहन चलाना व सड़कों की खस्ता हालत होना आदि होता है। कहीं न कहीं चालकों को पर्याप्त प्रशिक्षण का न मिलना भी एक कारक बताया जाता है। यही वजह है कि वर्ष 2019 में हुई सड़क दुर्घटनाओं में 93 फीसदी मानवीय गलती से हुईं। जाहिर है ट्रैफिक नियमों का कायदे से अनुपालन न होना और देखरेख करने वाले विभागों की आपराधिक लापरवाही इन हादसों की वजह बनती है। ऐसी दुर्घटनाएं होने पर सरकार व नेताओं का संवेदना प्रकट करने व मुआवजा देने का सिलसिला शुरू हो जाता है।?पर उन खामियों व अव्यवस्था को दूर करने का ईमानदार प्रयास नहीं होते, जिनके चलते आये दिन ऐसी दुर्घटनाएं होती हैं। ऐसी लापरवाहियों को दूर करने व दोषियों को सख्त सजा देने की जरूरत है।

अब ट्रेनों के भीतर भी मिलेगी वाई-फाई सुविधा

नईदिल्ली (आरएनएस)। बहुत जल्द ही यात्रियों को ट्रेनों के भीतर वाई-फाई की सुविधा मिल सकेगी। रेलवे इसके लिए तैयारी में जुटा है। इसके लिए रेलवे अपना खुद का स्पेक्ट्रम हासिल करेगा।

ये सुविधा व्यस्त नौकरी पेशा लोगों के लिए वरदान साबित होगी। वे सफर के दौरान कार्यों को ट्रेन के अंदर से ही निपटा सकेंगे। अभी तक रेलवे ने 1603 स्टेशनों को वाई-फाई सुविधा से लैस कर दिया है, जबकि 4882 स्टेशनों को वाई-फाई से लैस करने पर काम चल रहा है। लेकिन स्टेशन पर वाई-फाई सुविधा मिलने से यात्री स्टेशन परिसर और आसपास की कुछ दूरी तो इंटरनेट का उपयोग कर पाते हैं।

परंतु ट्रेन के भीतर कुछ दूरी के बाद इसका असर समाप्त हो जाता है और तब इंटरनेट केवल मोबाइल डेटा के भरोसे चलता है। हालांकि उसमें में रफ्तार के साथ बीच-बीच में व्यवधान आता रहता है। इस कारण अब तक न तो ट्रेन के भीतर लाइव टीवी का प्रसारण संभव सका है और न ही सीसीटीवी कैमरों की लाइव फुटेज की मानीटरिंग संभव हुई है। और तो और वंदे भारत जैसी अत्याधुनिक ट्रेन के भीतर सार्वजनिक उद्घोषणा के लिए लगाए गए टीवी मानीटर्स पर आगामी और मौजूदा स्टेशनों के बारे में लाइव सूचनाएं भी इसी वजह से प्रसारित नहीं हो पा रही हैं।

ट्रेन के भीतर वाई-फाई सुविधा मिलने से ये सब कुछ संभव हो जाएगा। इसके लिए रेलवे सरकार ने अपना खुद का स्पेक्ट्रम लेने का प्रयास कर रहा है। सरकार से स्पेक्ट्रम प्राप्त होते ही रेलवे अपनी लाइनों के किनारे जगह-जगह पर मोबाइल टॉवर स्थापित करेगा और उन्हें पहले से बिछे ऑप्टिकल फाइबर केबल (ओएफसी) के साथ संबद्ध करेगा। इससे ट्रेन यात्रियों को अपने कोच के भीतर निर्बाध इंटरनेट सुविधा हासिल हो सकेगी। अभी स्टेशनों पर वाई-फाई के लिए निजी कंपनियों के स्पेक्ट्रम और सेट-अप का उपयोग किया जाता है।

स्टेशनों के बीच और ट्रैक के साथ-साथ मजबूत वाई-फाई तरंगों की उपलब्धता होने से ट्रेन के भीतर इंटरनेट सर्फिंग आसान हो जाएगी और बार-बार बफरिंग की समस्या से निजात मिलेगी। ये सुविधा व्यस्त एक्जीक्यूटिव्स के लिए वरदान साबित होगी और वे सफर के दौरान अपने जरूरी कार्यों को ट्रेन में ही निपटा सकेंगे।

यही नहीं, इस सुविधा से यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और ट्रेन हादसों पर अंकुश लगाने में भी मदद मिलेगी। कोच के भीतर लगे सीसीटीवी कैमरों की लाइव फुटेज की कंट्रोल रूम से रियल टाइम मानीटरिंग होने से अवांछित तत्वों को नियंत्रण में लाना और पकड़ना आसान होगा। वाई-फाई का उपयोग करते हुए भविष्य में ट्रेन प्रोटेक्शन एंड वार्निंग सिस्टम (टीपीडब्लूएस) के जरिए ट्रेन दुर्घटनाओं को भी रोकने में भी इससे मदद मिलेगी। अभी जीपीएस आधारित इस यूरोपीय प्रणाली को महज इसीलिए नहीं अपनाया जा पा रहा है क्योंकि ट्रैक के साथ वाई-फाई सुविधा नहीं होने से तरंगें बाधित हो जाती हैं। कोहरे के दौरान हादसे रोकने और ट्रेनों को लेटलतीफी से बचाने में भी ये व्यवस्था कारगर साबित होगी।

एलएंडटी को बिहार में 7,000 करोड़ से अधिक की विद्युत परियोजनाओं का ठेका मिला

नईदिल्ली (आरएनएस)। अवसंरचना क्षेत्र से जुड़ी दिग्गज कंपनी लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) ने सोमवार को कहा कि उसकी विद्युत क्षेत्र से जुड़ी कंपनी को एसजेवीएन थर्मल प्राइवेट लिमिटेड ने बिहार के बक्सर जिले में अल्ट्रा सुपर क्रिटिकल विद्युत संयंत्र लगाने का कार्य सौंपा है। इंजीनियरिंग एवं विनिर्माण क्षेत्र से जुड़ी कंपनी ने इस ठेके का वास्तविक मूल्य तो नहीं बताया लेकिन कहा कि उसके वर्गीकरण के मुताबिक यह परियोजना 7,000 करोड़ रुपये से अधिक की है। इस ठेके के तहत एलएंडटी 2×660 मेगावॉट की बक्सर ताप विद्युत परियोजना की डिजाइनिंग, इंजीनियरिंग, निर्माण, खरीद, आपूर्ति, परीक्षण एवं शुरुआत का काम देखेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस साल मार्च में इस परियोजना की आधारशिला रखी थी।

कार्यकाल से पहले ही डेप्युटी गवर्नर विरल आचार्य ने छोड़ा पद

नईदिल्ली (आरएनएस)। भारतीय रिज़र्व बैंक के सबसे युवा डिप्टी गवर्नर विरल आचार्य ने इस्तीफा दे दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, विरल आचार्य ने अपने निर्धारित कार्यकाल से छह महीने पहले इस्तीफा दे दिया है। विरल आचार्य को तीन साल के कार्यकाल के लिए 23 जनवरी 2017 को आरबीआई में शामिल किया गया था। सूत्रों के अनुसार, आचार्य न्यू यॉर्क यूनिवर्सिटी में पढ़ाने के लिए जाएंगे। उनका परिवार भी न्यू यॉर्क में ही रहता है।

बहरहाल, आरबीआई के वरिष्ठतम डेप्युटी गवर्नर एन. विश्वनाथन का कार्यकाल खत्म होने वाला है। लेकिन, विरल आचार्य के अचानक पद छोड़ने के कारण विश्वनाथन का कार्यकाल बढ़ाने पर विचार किया जा सकता है।

न्यूयार्क विश्वविद्यालय के वित्त विभाग में अर्थशास्त्र के प्रोफेसर वी वी आचार्य वित्तीय क्षेत्र में प्रणालीगत जोखिम क्षेत्र में विश्लेषण और शोध के लिये जाने जाते हैं। आईआईटी मुंबई के छात्र रहे आचार्य ने 1995 में कंप्यूटर साइंस और इंजीनियरिंग में स्नातक और न्यूयार्क विश्वविद्यालय से 2001 में वित्त में पीएचडी की है। वर्ष 2001 से 2008 तक आचार्य लंदन बिजनेस स्कूल में रहे। आपको बता दें कि इससे पहले आरबीआई गवर्नर उर्जित पटेल ने दिसंबर में निजी कारण बताते हुए अपने पद से इस्तीफा दे दिया था।

दिल्ली में 70 रुपये लीटर से ऊंचा हुआ पेट्रोल का भाव, डीजल के भी दाम बढ़े

नईदिल्ली (आरएनएस)। पेट्रोल और डीजल के दाम सोमवार को लगातार दूसरे दिन बढ़ गए। दिल्ली, कोलकाता और मुंबई में पेट्रोल सात पैसे जबकि चेन्नई में आठ पैसे प्रति लीटर महंगा हो गया है। वहीं, डीजल के भाव भी दिल्ली, कोलकाता और मुंबई में छह पैसे जबकि चेन्नई में सात पैसे प्रति लीटर बढ़ गए हैं। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में नई वृद्धि के बाद पेट्रोल का दाम फिर 70 रुपये लीटर से ऊंचा हो गया है और डीजल भी 64 रुपये प्रति लीटर के करीब चला गया है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के अनुसार, दिल्ली, कोलकता, मुंबई और चेन्नई में पेट्रोल के दाम बढ़कर क्रमशः 70.05 रुपये, 72.31 रुपये, 75.75 रुपये और 72.77 रुपये प्रति लीटर हो गए हैं। चारों महानगरों में डीजल के दाम बढ़कर 63.90 रुपये, 65.82 रुपये, 66.99 रुपये और 67.59 रुपये प्रति लीटर हो गए हैं।

अंतर्राष्ट्रीय बाजार में पिछले दिनों कच्चे तेल के दाम में बढ़ोतरी से पेट्रोल और डीजल की कीमतों में फिर वृद्धि होने लगी है। दो दिनों में दिल्ली, कोलकाता और मुंबई में पेट्रोल और के दाम में 12 पैसे जबकि चेन्नई में 13 पैसे प्रति लीटर का इजाफा हुआ है।

गौरतलब है कि पिछले दिनों अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल में नरमी रहने से भारत में पेट्रोल और डीजल के दाम में उपभोक्ताओं को काफी राहत मिली थी। इससे पहले 30 मई को पेट्रोल और डीजल के दाम में गिरावट का सिलसिला शुरू होने के साथ देश की राजधानी दिल्ली में पेट्रोल 1.93 रुपये लीटर सस्ता हो गया था और डीजल का दाम भी 2.91 रुपये प्रति लीटर घट गया था।

जेएमसी प्रोजेक्ट्स को 514 करोड़ की परियोजनाओं के ठेके मिले

नईदिल्ली (आरएनएस)। जेएमसी प्रोजेक्ट्स (इंडिया) ने सोमवार को जानकारी दी कि उसे आवासीय एवं व्यावसायिक परियोजनाओं और कारखानों से जुड़े कार्यों के लिए 514 करोड़ रुपये के ठेके मिले हैं। 'कल्पतरु पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड' की अनुषंगी जेएमसी प्रोजेक्ट्स सिविल इंजीनियरिंग और इंजीनियरिंग, खरीद एवं निर्माण से जुड़े क्षेत्रों में काम करती है। कंपनी ने शेयर बाजारों को जानकारी दी है कि उसे 514 करोड़ रुपये मूल्य के नए ऑर्डर मिले हैं। इनमें दक्षिण एवं पश्चिमी भारत में कुल 295 करोड़ रुपये मूल्य की आवासीय एवं वाणिज्यिक परियोजनाएं और पूर्वी भारत में 112 करोड़ रुपये के कारखानों से जुड़े कार्यों के ठेके शामिल हैं। कंपनी ने कहा कि उसने पूर्वी भारत में संस्थागत भवन से जुड़ा 107 करोड़ रुपये का ठेका भी हासिल किया है।

कोपा अमेरिका : कतर को 2-0 से हराकर अर्जेंटीना क्वार्टर फाइनल में

पोटरे अलेग्रो,ब्राजील (आरएनएस)। अर्जेंटीना की फुटबाल टीम ने एशियाई चैम्पियन कतर को 2-0 से हराते हुए कोपा अमेरिका टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। समाचार एजेंसी एफे के मुताबिक एरेना दो ग्रेमियो में करीब 40 हजार दर्शकों की मौजूदगी में खेले गए ग्रुप-बी के इस मुकाबले में अर्जेंटीना के लिए लाउतारो मार्टिनेज और सर्गियो एग्वेरो ने गोल किए। इस मैच से पहले अर्जेंटीना की टीम कोलम्बिया से 0-2 से हारकर तथा परागवे से 1-1 का ड्रॉ खेलने के बाद अपने ग्रुप में सबसे नीचे थी। ऐसे में उसे इस प्रतिष्ठित आयोजन के अगले दौर में पहुंचने के लिए हर हाल में कतर को हराना था।इस मैच में अर्जेंटीना के कप्तान और सबसे बड़े स्टार लियोनेल मेसी एक बार फिर अपनी छाप छोड़ने में नाकाम रहे।

एक बार फिर निराशाजनक रहा विश्व कप से दक्षिण अफ्रीका प्रदर्शन असमय विदाई

नई दिल्ली (आरएनएस)। विश्व क्रिकेट में दक्षिण अफ्रीका को हमेशा से एक मजबूत टीम माना जाता रहा है। 1991 में क्रिकेट में दोबारा वापसी के बाद से इस टीम ने विश्व कप के सभी संस्करणों में हिस्सा लिया है और कुल मिलाकर अच्छा प्रदर्शन किया है, लेकिन 2019 विश्व कप से उसकी असमय विदाई बहुत ही निराशाजनक रही। इसका कारण यह रहा कि इस टीम को अब तक खेले गए सात में से पांच मुकाबलों में हार मिली जबकि वह सिर्फ एक मैच में जीत हासिल कर पाई। उसका एक मैच रद्द भी हुआ है। तीन अंकों के साथ यह टीम 10 टीमों की तालिका में नौवें स्थान पर काबिज है। उसके खाते में दो मैच शेष हैं लेकिन उसका आगे का सफर समाप्त हो चुका है।

दक्षिण अफ्रीका को इससे पहले 2003 विश्व कप में भी ग्रुप स्तर से ही विदा होना पड़ा था। शॉन पोलाक की कप्तानी में दक्षिण अफ्रीकी टीम छह में से सिर्फ तीन मैच जीत सकी थी। वह पूल-बी में चौथे स्थान पर रही थी और आगे का टिकट नहीं कटा सकी थी। उससे पहले और उसके बाद हालांकि इस टीम ने अच्छा प्रदर्शन किया था। चार मौकों (1992, 1999, 2007 और 2015) पर यह टीम सेमीफाइनल और दो मौकों (1996, 2011) पर क्वार्टर फाइनल खेली है लेकिन इस साल उसका प्रदर्शन स्तरीय टीम जैसा बिल्कुल भी नहीं रहा। टीम के प्रदर्शन को लेकर निराशा जाहिर करते हुए कप्तान फाफ डू प्लेसिस ने कहा, हम अच्छा नहीं खेले।

आज का राशिफल

मेषः- मेष राशि वालों के लिए दिन लाभप्रद है। जो भी योजनाएं आप बनाएंगे, वे शीघ्र आपको शुभ फल देंगे। समय के महत्व को समझकर कर्म करते जाएं।

वृषभः- आज का दिन आपका व्यस्तता पूर्वक बीतेगा। अधूरे कार्य पूर्ण होंगे। व्यवसाय हो या नौकरी सभी कार्य सफलतापूर्वक संपन्न होंगे।

मिथुनः- आज मिश्रित परिणाम प्राप्त होंगे। कहीं खुशी और कहीं गम की स्थिति के कारण पूरे दिन असमंजस की स्थिति बनी रहेगी। शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य बिगड़ सकता है।

कर्कः- आज वाहन सावधानी पूर्वक चलाएं और स्वास्थ्य के प्रति विशेष सावधानी बरतें। बिना सोच-विचार के आज कोई कार्य न करें। घर का माहौल सही रहे, इसका ध्यान रखें।

सिंहः- जीवनसाथी और प्रिय व्यक्ति का साथ मिलेगा, उनकी राय पर ध्यान दें। भावनात्मक संबंध स्थापित होंगे। भाई-बंधुओं के साथ समय आनंदपूर्वक बीतेगा। उनसे लाभ भी होगा।

कन्याः- विरोधियों की आलोचना के प्रति ध्यान न दें। शत्रुओं पर विजय प्राप्त होगी। अचानक कोई शुभ सूचना से मन प्रसन्न रहेगा। परिजनों के साथ आनंद और सुखपूर्वक समय बीतेगा।

तुलाः- योग्यता के अनुसार मान-सम्मान और प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। संतान से सुख प्राप्त होगा। यात्रा में सफलता के योग बन रहे हैं। आर्थिक विषयों पर व्यवस्थित योजना बना सकेंगे।

वृश्चिकः- आज आपकी मानसिक प्रवृत्ति नकारात्मक हो सकती है। क्रोध एवं आवेश से बचें। वाणी पर संयम रखें। वाद-विवाद से बचें तभी दिन की शुभता प्राप्त होगी।

धनुः- आपके पराक्रम में वृद्धि होगी। प्रिय व्यक्ति यों के साथ मुलाकात यादगार रहेगी। यात्रा मंगलमय रहेगी। आज सभी कार्य पूर्ण होंगे और दिन शुभ रहेगा।

मकरः- आज अचानक धन लाभ के योग है। कोई नया कार्य या प्रोजेक्ट शुरू करना लाभदायक रहेगा। मौके बार-बार आपके दरवाजे पर दस्तक नहीं देंगे।

कुंभः- आज सोचा हुआ कार्य पूर्ण होगा और कार्य सिद्धि का दिन है। मन और चित्त दोनों से आप प्रसन्नता का अनुभव करेंगे। मानसिक भार आज हल्का रहेगा।

मीनः- आज धन के अपव्यय का योग है, किसी को उधार न दें, अन्यथा धन वापस मिलने में दिक्क त हो सकती है। यात्रा करने से परहेज करें, हानि हो सकती है।

सुबह के नाश्ते में बनाएं 'दही के ब्रेड रोल'

समाग्री-

दही- 500 ग्राम (पानी निकला हुआ), पनीर- 100 ग्राम (कद्दूकस किया हुआ), शिमला मिर्च- आधा कप, गाजर- आधा कप, हरा धनिया- 2 बड़े चम्मच, काली मिर्च पाउडर- 1/4 छोटी चम्मच, हरी मिर्च- 2 (बारीक कटी), मैदा- 2 बड़े चम्मच, ब्रेड स्लाइस- 3-4(ताज़े), नमक- स्वादानुसार

ऐसे बनाएं -

पहले एक बोल में दही, पनीर, गाजर, शिमला मिर्च, हरा धनिया, काली मिर्च, हरी मिर्च, नमक डालकर अच्छी तरह से मिलाकर मिश्रण तैयार करें। फिर ब्रेड स्लाइसेस के किनारी काटकर निकाल दें। इसके बाद हल्के पानी की मदद से ब्रेड को बेलें। मैदे का पतला घोल तैयार कर लें। और ब्रेड की जिस परत पर पानी लगाया है उसे बाहर की तरफ़ कर दें। अब ब्रेड के अंदर मिश्रण को भरकर कोने से मोड़कर रोल बना लें। इस रोल को अच्छी तरह से चिपकाने के लिए मैदे का घोल लगाएं। एक पॉलीथिन शीट में रोल को रखकर दोनों कोनों को दबाएं जैसे टॉफी के रैपर को मोड़ते है, फिर एक दूसरे की विपरीत दिशा में।

रोल को तेल में सुनहरा होने तक तलें। रोल को बीच से काटकर हरी या लाल चटनी के साथ सर्व करें।

शब्द सामर्थ्य- 5

बाएं से दाएं

1. अभिमान, घमंड, अनुमान 4. बादल, मेघ, जलद (सं) 6. अधिकार वाला, अधिकारी 8. गति, सामंजस्य, समा जाना 10. कारावास, जेल 11. जोर, शक्ति, जान, सांस 12. राजाओं के रहने का भवन 15. मालामाल, अमीर, धनवान 18. नाव खेने का यंत्र 20. 'खन' ध्वनि उत्पन्न होना, पायल आदि का शब्द करना 21. मार डाला हुआ, घायल किया हुआ 22. हमेशा, आवाज 23. आग की लपट, ज्वाला 24. झगड़ा, तकरार 25. हीरा।

ऊपर से नीचे

1. दोषी, अपराधी 3. ताश में नौ अंक वाला पत्ता 4. झंडा, पताका 5. गहरा कीचड़, पंक 7. बूंद, अंश 9. मृत्यु के देवता 13. संसार, दुनिया, जग 14. हुज़ूर, जनाब, सम्मान सूचक एक शब्द (उ.) 16. सच्चा, धर्मनिष्ठ, ईमानवाला 17. अनूठा, बांका, अनुपम, छैला 18. आश्रय, शरण 19. साधुवाद, प्रशंसा 20. पटवारी की ऐसी बही जिसमें खेत संबंधी अनेक बातें लिखी जाती है, एक प्रकार का दानेदार संक्रामक रोग 23. गम, मातम, दुख।

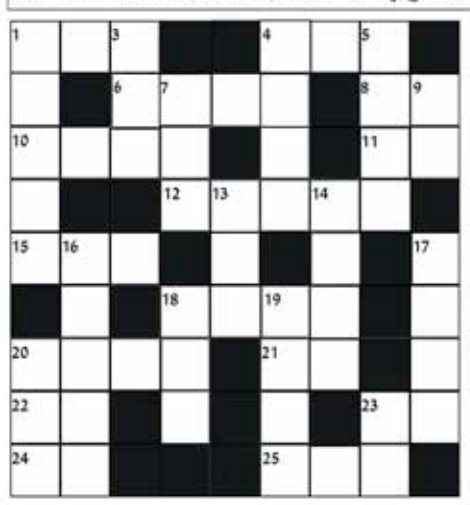

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 04 का हल

स्मृ	ति	■	पा	व	क	■	बे	ल
■	र	ज	नी	च	र	■	■	दृढ़
मु	स्का	न	■	न	म	की	न	■
सा	र	■	स	■	■	ट	ख	ना
फि	■	अ	जा	य	ब	■	रा	जा
र	च	ना	■	था	ल	■	■	य
■	■	धि	■	र्थ	■	स	मा	ज
उ	प	कृ	त	■	आ	वा	ज	■
ल्लू	■	त	■	■	ब	ल	रा	म

सू-दोकू- 5

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक रख सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.04 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6